>

Title: Need to impress upon International Olympic Committee to retain wrestling as a sport event in Olympics.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): विश्व की प्रमुख खेल कुश्ती को 2020 की ओलंपिक से बाहर किया जा रहा है। जबकि इस खेल में भारत ही नहीं बल्कि 180 देश इस खेल में हिस्सा लेते हैं तथा 200 से अधिक देश के लोगों की आत्मा इस खेल में रची बसी है। इस फैसले से भारतीय कुश्ती प्रेमियों और पहलवानों को तगड़ा झटका लगा है। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आई ओ सी) ने इस प्रमुख खेल की जगह मॉडर्न पेंटाथलन को तवज्जो दे रही है। इस फैसले से भारत में कुश्ती की तरफ बढ़ रहे भारतीय युवाओं का सपना चकनाचूर हो गया। इस कठोर फैसले से नाराजगी जाहिर करते हुए अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती महासंघ (एफआईएलए) के अध्यक्ष रफेल मार्टिनेटी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। अतः मैं कुश्ती को फिर वापस औलंपिक खेलों में शामिल करने की मांग करता हूँ।